भाग अ- परिचय			
कार्यक्रम: उपाधिडिग्री	**कक्षा : बी.ए.**	**वर्ष : तृतीय**	**सत्र : 2023-24**
विषय: हिन्दी साहित्य			
1	**पाठ्यक्रम का कोड**	**UKAVY-HI-308**	
2	**पाठ्यक्रम का शीर्षक**	काव्यांग विवेचन एवं जनपदीय भाषा-साहित्य (बुन्देली/ मालवी/ बघेली) (प्रश्न पत्र - 1)	
3	**पाठ्यक्रम का प्रकार:(कोर कोर्स/डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलेक्टिव/इलेक्टिव/जेनेरिक इलेक्टिव/वोकेशनल/माइनर....)**	डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलेक्टिव (सैद्धांतिक) **समूह अ**	
4	**पूर्वापेक्षा (Prerequisite)**	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए, छात्र ने हिन्दी साहित्य का अध्ययन डिप्लोमा में किया हो ।	
5	**पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां(कोर्स लर्निंग आउटकम)(CLO)**	इसपाठ्यक्रम के सफल समापन पर,विधार्थी निम्न में सक्षम होंगे: 1. विधार्थी काव्य के प्रमुख अंगो का अध्ययन कर काव्य को भली भांति समझ सकेंगे । 2. जनपदीय भाषा एवं साहित्य का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे । 3. जनपदीय भाषा साहित्य के माध्यम से भारतीय संस्कृति कुई विविधता से परिचित होंगे । 4. विधार्थी जनपदीय भाषा कौशल में पारंगत होंगे । क्षेत्रीय भाषाओं, बोलियों के साहित्य को संगीतबद्ध करना, नात्यरुपांतर करना आदि के माध्यम से स्वयं के व्यावसायिक कला मंच स्थापित कर सकेंगे, देश-विदेश में प्रस्तुतियाँ दे सकेंगे ।	
6	**क्रेडिट मान**	**06**	
7	**कुल अंक**	**अधिकतम अंक: 30+70**	**न्यूनतम उत्तीर्ण: 35**

P.K. UNIVERSITY

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु		
व्याख्यान की कुल संख्या- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में L-3-T-P:		
इकाई	**विषय**	**व्याख्यान की संख्या (1 घंटा/ व्याख्यान) 90**
1.	काव्यशास्त्रीय अवधारणाए: . काव्य लक्षण . काव्य प्रयोजन . काव्य हेतु	**18**
2.	काव्य के प्रमुख अंग: . रस विवेचन . अलंकर (प्रमुख अलंकर-उपमा, उत्प्रेक्षा, रूपक, यमक,श्लेष,अनुप्रास) . शब्द शक्ति . काव्य गुण (प्रसाद,माधुर्य,ओज) . छंद-दोहा, सोरठा,चौपाई,कवित्त,सबैया	**18**
3.	. जनपदीय-भाषा: (बुन्देली/मालवी/बघेली} . जनपदीय भाषा का भोगोलिक क्षेत्र विस्तार. . जनपदीय भाषा (बुन्देली/मालवी/बघेली) की एतिहासिक प्रस्ठभूमि. . जनपदीय भाषा का इतिहास जनपदीय भाषा-साहित्य का इतिहास	**18**
4.	**जनपदीय भाषा के प्रतिनिधि रचनाकार एवं रचनाएँ-**	**18**

P.K. UNIVERSITY

	अ- **बुन्देली भाषा और इतिहास** **प्रमुख कवि- (व्याख्या एवं समीक्षा)** 1 जगनिक- आलह खण्ड अंश "सुमिरन करके नारायण को..... 2 ईसुरी - 1 वंदना- सुमिरन करो शारदा माता, 3 भक्तिपरख फागें - हमखो कोऊ रजउ की सानी, दूजी नाइ दिखानी । 4 प्रकृतिपरख फागें- अब रित आई बसंत बहारन 5 लोक जीवन की चौकडियाँ- हंसा उड़ चल देख बिरानें सरवर जात सुखानें **3 संतोष सिंह बुंदेला-** 1. ऐसौ जौ बुन्देलखण्ड है, सौ नौनें से नौंनौ। 2. मिठौआ है ई कुआँ कौ नीर । 3. लगा रऔ कुकरा कब सें टेर 4. हमारे रमटेरा की तान 5. सरग तरइयाँ कीनें गिन लई. **4 माधव शुक्ल मनोज -** 1. बड़ी रसीली कों गई रातें 2. नीके बसंती आ गये दिन 3. फागुन आ गाओ 4. कब से देखूँ बाठ पिया की 5. अंगना के फूल खिला जइयों..... **ब - मालवी एवं निमाड़ी भाषा और साहित्य प्रमुख कवि (व्याख्या एवं समीक्षा)** 01. संतपीपा - संत पीपा वाणी एवं पद प्रारंभिक 5 साखियाँ, प्रारंभिक पद 05 महायोगी वैष्णव संत श्री पीपाजी- सं. श्री राजेंद्र दास	

P.K. UNIVERSITY

	02. संत सिंगाजी - प्रारंभिक 5 साखियाँ, सरद 05, भजन 2 'कहे जन सिंगा' सं. डॉ. श्रीराम परिहार 03. आनन्दराव दुबे- 05 कविताएँ ∘ कलम-कागज, ∘ अब कँई हीड गावे ∘ हूँ जाण की ता जाण ∘ कदी जाण घरे भी हाण हुई ज्ञाय है, ∘ मालवा की माटी 04 बालकवि बैरागी (05 कविताएँ) . बाजे रे ढोल . पसीना ललाट को . यो बसंत है . पनिहारी **स - बघेली भाषा और साहित्य** **प्रमुख कवि (व्याख्या एवं समीक्षा)** 1.1 देससेवा 1.2 नेता 1.3 मेला 1.4 गरीबी 1.5 बिटियन केर पढाई 2. <u>सैफुद्दीन सिद्दीकी 'सैफ'</u> (कवि- परिचय एवं साहित्यिक विशेषताएँ) 2.1 किसान 2.2 रुपिया केर महातिम 2.3 मुँह देखा अब कजरहटा मा 2.4 दडउ त बनाइस मनई 2.5 अरे अक्किल का माँजा 3. <u>डॉ. अमोल बटरोही</u> - (कवि परिचय एवं साहित्यक बिशेश्ताएँ) 3.1 पेट त उठउ आय	

P.K. UNIVERSITY

	3.2 अँजुरी भर प्यार लोई देड..... 3.3 को कहइ 3.4 कोइयाँ मुर्रत 3.5 को होइगा 4. <u>बाबूलाल दाहिया- (कवि</u> परिचय एवं साहित्यिक विशेषताएँ) 4.1 गजल- अब हमी उनहूँ निता स्वाचे का चाही। 4.2 अकेले डॉग मा गोरु चाराबै कोल बरसइत 4.3 हरबाह के कनूत। जन जातीय भाषा साहित्य 1. जन जातीय भाषा साहित्य संग्रह (लिखित/वीडियो) 2. किसी भी जन जातीय भाषा - साहित्य का अनुवाद 3. जन जातीय भाषा साहित्य का भाषिक सौन्दर्य 4. जन जातीय भाषा साहित्य अंतर्गत संस्कृति जन जातीय भाषा साहित्य और संगीत	
	(किन्ही 2 पर कार्य करें) सम्बंधित क्षेत्र के अप्रकाशित लोक साहित्य का संग्रह । अनुवाद । समीक्षा । लोकगीतों को मौलिक रूप से संगीत बध्द ,वचन, सस्वर करना । प्रस्तुति ।	

P.K. UNIVERSITY

की वर्ड: काव्यशास्त्र, चौकडिया, फाग, लोकसाहित्य, लोक संस्कृति		
भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन		
. अनुशंसित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य/पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री: . शर्मा, डॉ. शैलेन्द्र कुमार, चौहान, डॉ. दिलीप कुमार,"मालवी भाषा और साहित्य" . शुक्ल,त्रिभुवन नाथ, डॉ.कामिनी,परमार, डॉ. बहादुर सिंह "बुन्देली भाषा और साहित्य" . हंस,डॉ. कृष्णलाल "बुन्देली और क्षेत्रीय रूप" हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग प्रथम संस्करण 1976 ई. . शुक्ल,दुर्गाचरण "बुन्देली एक भाषा वैज्ञानिक अध्ययन" कला परिषद टीकमगढ प्रथम संस्करण 1976 ई.		
भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:		
अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां: अधिकतम अंक: 100 सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक: 30 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 70		
आतंरिक मूल्यांकन: सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	क्लास टेस्ट असाइनमेंट/ प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	30
आकलन: विश्वविद्यालयीन परीक्षा: समय- 03.00 घंटे	अनुभाग (अ): अति लघु प्रश्न अनुभाग (ब): लघु प्रश्न अनुभाग (स): दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	70
	कोई टिप्पणी/सुझाव:	

P.K. UNIVERSITY

Sharma